RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 155
दि. 04.10.2025, शनिवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.
Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

प्रधानमंत्री मोदी नई दिल्ली से 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की युवा-केंद्रित पहलों का अनावरण करेंगे

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल नई दिल्ली से 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली विभिन्न युवा-केंद्रित पहलों का अनावरण करेंगे। इन पहलों के माध्यम से देशभर में शिक्षा, कौशल और उद्यमिता को निर्णायक बढ़ावा मिलेगा। इस कार्यक्रम का एक अंग कौशल दीक्षांत समारोह भी होगा, जो प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के अनुरूप आयोजित राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह का चौथा संस्करण है। इसके तहत कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों के 46 अखिल भारतीय सर्वश्रेष्ठ छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

प्रधानमंत्री 60,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ केंद्र-प्रायोजित योजना पीएम-सेतु (अपग्रेडेड आईटीआई के माध्यम से प्रधानमंत्री कौशल और रोजगार परिवर्तन) का शुभारंभ करेंगे। इस योजना में देशभर में 1,000 सरकारी आईटीआई का हब-एंड-स्पोक मॉडल में उन्नयन करने की परिकल्पना की गई है, जिसमें 200 हब आईटीआई और 800 स्पोक आईटीआई शामिल हैं।

प्रधानमंत्री 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 400 नवोदय विद्यालयों और 200 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में स्थापित 1,200 व्यावसायिक कौशल प्रयोगशालाओं का उद्घाटन करेंगे। ये प्रयोगशालाएं दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों सहित, सूचना-प्रौद्योगिकी, ऑटोमोटिव, कृषि, इलेक्ट्रॉनिक्स, रसद और पर्यटन जैसे 12 उच्च-मांग वाले क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करेंगी।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और सीबीएसई पाठ्यक्रम के अनुरूप, इस परियोजना में उद्योग-प्रासंगिक शिक्षा प्रदान करने और रोजगार के लिए प्रारंभिक आधार तैयार करने हेतु 1,200 व्यावसायिक शिक्षकों को प्रशिक्षित करना भी शामिल है। इन पहलों से भारत के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण अवसरों के सृजन की आशा है।

यूपी सरकार ने गन्ना नीति 2025-26 में किए बड़े बदलाव, लघु और महिला किसानों को मिलेगी प्राथमिकता

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश सरकार ने पेराई सत्र 2025-26 के लिए नई गन्ना सट्टा एवं आपूर्ति नीति जारी कर दी है. इसे पूरी तरह किसान हितैषी बताया जा रहा है. इस नीति में खासतौर पर लघु कृषकों और महिला किसानों को प्राथमिकता दी गई है ताकि छोटे किसानों को अधिक सुविधा और सीधा लाभ मिल सके.

नई नीति के अनुसार, समिति के नए कृषक सदस्यों को पहली बार बड़ी राहत दी गई है. उन्हें गन्ना आपूर्ति का लाभ उनकी चीनी मिल की औसत गन्ना आपूर्ति अथवा जिले की उत्पादकता का 70% तक मिलेगा. प्रदेश में हर साल लगभग दो लाख नए किसान समिति में जुड़ते हैं और यह बदलाव सीधे तौर पर उनके लिए फायदेमंद साबित होगा.

छोटे और महिला किसानों के लिए राहत

नीति में लघु महिला कृषकों और अति लघु किसानों को विशेष प्राथमिकता दी गई है.

छोटे किसान (81 क्विंटल सट्टा धारक): इन्हें पेड़ी गन्ने की पर्चियां 1 से 3 पक्ष में और पौधा गन्ने की पर्चियां 7 से 9 पक्ष में दी जाएंगी. इससे लगभग 13.12 लाख किसान लाभान्वित होंगे.

अति लघु किसान (36 क्विंटल या 4 पर्ची) व लघु महिला कृषक (81 क्विंटल या 9 पची): इन्हें शत-प्रतिशत पेड़ी गन्ने की पर्चियां प्रारंभिक पक्षों में मिलेंगी. इस निर्णय से करीब 3.75 लाख अति लघु किसान और 6268 महिला कृषक सीधे लाभान्वित होंगे.

नई सुविधाएं और तकनीकी बढ़ावा

पहली बार यांत्रिक हार्वेस्टिंग को बढ़ावा दिया गया है. जो किसान इस सुविधा का इस्तेमाल करेंगे, उन्हें पारिवारिक कैलेंडर की सुविधा दी जाएगी. इससे मजदूरों की कमी की समस्या काफी हद तक कम होगी. साथ ही, 2024-25 में ही गन्ना आपूर्ति करने वाले किसानों का कोटा औसत आपूर्ति या उस वर्ष की आपूर्ति (जो अधिक हो) के आधार पर तय होगा.

गन्ना किस्म को.15023 को बढ़ावा

गन्ना शोध परिषद द्वारा विकसित नई किस्म को.15023 को अगेती संवर्ग में रखा गया है. इसकी शीघ्र परिपक्वता और उच्च रिकवरी दर को देखते हुए पेड़ी गन्ने की पर्चियां 1 से 2 पक्ष और पौधा गन्ने की पर्चियां 7 से 8 पक्ष में दी जाएंगी. इस फैसले से लगभग 3.66 लाख किसान और चीनी मिलें दोनों लाभान्वित होंगे.

बड़े किसानों और नए सदस्यों को भी फायदा

नए किसानों की पर्चियां पेड़ी या शरदकालीन पौधे के आधार पर 5वें से 12वें पक्ष में लगाई जाएंगी. इससे लगभग 1 लाख किसान लाभान्वित होंगे. बड़े किसानों (2500 क्विंटल या उससे अधिक सट्टा धारक) को एक कॉलम में अधिकतम 8 पर्चियों का लाभ मिलेगा.

नई गन्ना नीति से सरकार का उद्देश्य है कि समय पर चीनी मिलों को पर्याप्त गन्ना उपलब्ध हो और किसानों को उनकी फसल का उचित मूल्य आसानी से और समय पर मिल सके.

संक्षिप्त समाचार

बाइक से कारें भारी क्यों? राहुल गांधी ने ऐसा क्यों कहा, बीजेपी ने ले ली चुटकी

कोलंबिया में एक सेमिनार हॉल में राहुल गांधी द्वारा दिए गए एक बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। कांग्रेस नेता ने बाइक और कार के वजन को लेकर एक सवाल उठाया, जिसका जवाब उन्होंने इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और इंजनों की संरचना के संदर्भ में दिया।

इस बयान को बीजेपी नेताओं ने मजाक के रूप में पेश किया। दरअसल, EIA यूनिवर्सिटी में छात्रों के साथ बातचीत करते हुए राहुल गांधी ने पूछा, "एक मोटरसाइकिल का वजन लगभग 100 किलो होता है, जबकि एक कार का वजन 3,000 किलो क्यों होता है?"

उन्होंने आगे विस्तार से समझाया कि एक कार में भारी धातु का इस्तेमाल इसलिए होता है ताकि यात्री की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

राहुल गांधी ने क्या कहा?

गांधी ने कहा, "एक कार में जब टक्कर लगती है, तो इंजन कार के अंदर आता है और यदि सुरक्षा डिजाइन सही न हो तो यह जान को नुकसान पहुंचा सकता है।

बिहार चुनाव से पहले नीतीश सरकार ने खोला सरकारी खजाना! छात्रों की स्कॉलरशिप हुई डबल, कुल 129 एजेंडों पर मुहर

(जीएनएस)।

दशहरा के तुरंत बाद, शुक्रवार को बिहार कैबिनेट की एक अहम बैठक संपन्न हुई। आगामी विधानसभा चुनावों को देखते हुए इसे वर्तमान सरकार की अंतिम कैबिनेट बैठक माना जा रहा है। इस मैराथन बैठक में कुल 129 एजेंडों पर मुहर लगाई गई, जो राज्य के लाखों लोगों को प्रभावित करेंगे।

इन फैसलों में सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी सौगातें और स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए अहम घोषणाएं शामिल हैं। कैबिनेट के इन व्यापक निर्णयों को चुनाव से पहले सरकार का बड़ा मास्टरस्ट्रोक माना जा रहा है।

स्कूली छात्रों की स्कॉलरशिप हुई दोगुनी

स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए एक बड़ा फैसला लिया गया है, जिसके तहत उनकी स्कॉलरशिप की राशि को दोगुना कर दिया गया है। विभिन्न कक्षाओं के लिए नई दरें इस प्रकार हैं

क्लास 1 से 4: ₹600 से बढ़कर ₹1200

क्लास 5 से 6: ₹1200 से बढ़कर ₹2400

क्लास 7 से 10: ₹1800 से बढ़कर ₹3600

इस बढ़ी हुई स्कॉलरशिप के लिए कैबिनेट ने तीन अरब रुपए की राशि स्वीकृत की है।

कर्मचारियों को 3% DA की सौगात

कैबिनेट ने राज्य कर्मचारियों को महंगाई भत्ता (DA) बढ़ाकर बड़ी राहत दी है। केंद्र सरकार के फैसले के अनुरूप, DA में 3% की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। अब कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 55% से बढ़कर 58% हो गया है। इसके अलावा, राज्य में फिल्म और नाट्य संस्थान की स्थापना को भी कैबिनेट ने अपनी स्वीकृति दी है।

जलापूर्ति परियोजनाओं को मिली हरी झंडी

शहरी विकास पर जोर देते हुए, केंद्र प्रायोजित अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत 2.0) के तहत दो महत्वपूर्ण जलापूर्ति परियोजनाओं को वित्तीय स्वीकृति मिली है।

पीओके में 10-10 रुपए में बिक रहे हैं पाकिस्तानी सेना की वर्दी और हेलमेट

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में पाकिस्तानी सरकार और सेना के खिलाफ हिंसक विरोध प्रदर्शन थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। इस बढ़ते गुस्से के बीच, प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तानी सुरक्षाबलों पर भड़ास निकालने का एक अनोखा और प्रतीकात्मक तरीका अपनाया है। प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों से छीनी गई वर्दी, हेलमेट और ढाल को सरेआम टांगकर, उनकी कीमत महज ₹10 लगा दी है। यह प्रतीकात्मक "सेल" दशार्ता है कि महंगाई और दमन से त्रस्त जनता की नजरों में सुरक्षाबलों की कोई कीमत नहीं बची है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिस पर लोग सुरक्षाबलों का मजाक उड़ाते हुए खूब मजेदार कमेंट्स कर रहे हैं।

उ0प्र0 पुलिस रेडियो का 84वां स्थापना दिवस : यूपी पुलिस रेडियो ने मनाया उत्सव, नई तकनीक और आत्मनिर्भरता पर जोर

लखनऊ। (जीएनएस)।

उ0प्र0 पुलिस रेडियो का 84वां स्थापना दिवस शुक्रवार को पारंपरिक सादगी एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में महानिरीक्षक, उपमहानिरीक्षक एवं अन्य अधिकारियों ने पुलिस संचार व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ व आधुनिक बनाने की दिशा में अपने विचार प्रस्तुत किए।

अधिकारियों ने कहा कि विभाग की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से प्रेरणा लेकर नई तकनीकी के प्रयोग, गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण तथा बौद्धिक संपदा के विकास पर विशेष बल दिया जा रहा है। साथ ही उच्चाधिकारियों की अपेक्षाओं के अनुरूप पुलिस प्रणाली में दक्षता, आत्मनिर्भरता और गुणवत्तापूर्ण कार्य शैली को अपनाना ही विभाग की प्राथमिकता है।

कार्यक्रम में विभाग की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि 'ई-ऑफिस', 'मानव संपदा पोर्टल' और ऋड्ढळ पोर्टल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म का संचालन अल्प अवधि में शत-प्रतिशत सफलतापूर्वक किया गया है, जो एक बड़ी उपलब्धि है। इसके अलावा माननीय प्रधानमंत्री के 'पंच-प्रण' को देशहित में महत्वपूर्ण बताते हुए उनके अनुपालन पर विशेष बल दिया गया।

इससे पूर्व रेडियो मुख्यालय के सभागार में एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ पुलिस महानिदेशक, दूरसंचार, श्री आशुतोष पाण्डेय ने दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यशाला में मुख्यालय में नियुक्त निदेशक, दूरसंचार, उपमहानिरीक्षकगण, बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी सम्मिलित हुए, जबकि प्रदेश के सभी 75 कमिश्नरेट/जनपदों से अधिकारियों और कर्मचारियों ने ऑनलाइन प्रतिभाग किया।

'दुनिया के नक्शे पर रहना है या नहीं', भारतीय सेना प्रमुख ने पाकिस्तान को दी अब तक की सबसे बड़ी चेतावनी

(जीएनएस)।

भारतीय थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने पाकिस्तान को अब तक की सबसे सख्त चेतावनी दी है। राजस्थान के अनूपगढ़ में उन्होंने स्पष्ट कहा कि अब भारत किसी भी उकसावे को सहन करने के मूड में नहीं है।

सेना प्रमुख ने चेतावनी देते हुए कहा कि, पाकिस्तान को यह तय करना होगा कि वह दुनिया के नक्शे पर रहना चाहता है या नहीं। जनरल द्विवेदी ने कहा कि भारत ने पहले भी धैर्य दिखाया है, लेकिन भविष्य में आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उनका बयान पाकिस्तान के लिए सीधे अल्टीमेटम की तरह है।

अब संयम का समय बीत चुका है- सेना प्रमुख

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का बयान बेहद अहम माना जा रहा है। राजस्थान के अनूपगढ़ में आयोजित 'ऑपरेशन सिंदूर 1.0' के दौरान उन्होंने साफ कर दिया कि अब संयम का समय बीत चुका है। भारत ने काफी संयम बरता था। लेकिन आगे ऐसा नहीं होगा। उनका कहना था कि भारत की नीति साफ है, शांति तभी संभव है जब पाकिस्तान राज्य प्रायोजित आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करे।

भारत की बदलती आक्रामक रणनीति

जनरल द्विवेदी ने पाकिस्तान के सामने साफ शर्त रखी आतंकवाद बंद करो, वरना अपने अस्तित्व पर सवाल खड़ा करने के लिए तैयार रहो। यह बयान न सिर्फ एक चेतावनी है, बल्कि भारत की बदलती आक्रामक रणनीति को भी दशार्ता है।

भारत ने पहली बार इस स्तर पर सीधे तौर पर पाकिस्तान के अस्तित्व को चुनौती दी है। यह दिखाता है कि अब नई दिल्ली न केवल आतंकवाद के खिलाफ सख्त है, बल्कि उसकी सहनशीलता पूरी तरह समाप्त हो चुकी है।

वहीं भारतीय वायुसेना प्रमुख ए.पी. सिंह ने 93वें एयर फोर्स डे समारोह में पाकिस्तान को करारा संदेश दिया। उन्होंने बताया कि हालिया ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान के कई अहम एयरफील्ड और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया और उसे भारी नुकसान पहुंचाया।

एयर चीफ ने बताया कि भारतीय हमले ने पाकिस्तान के राडार सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, हैंगर और रनवे को गंभीर क्षति पहुंचाई। उनके अनुसार, भारत के पास ऐसे सबूत हैं कि उस दौरान पाकिस्तान का एक C-130 क्लास का विमान और 4-5 फाइटर जेट्स, जिनमें ज्यादातर F-16 शामिल थे, निशाने पर आए।

पाकिस्तान द्वारा 15 भारतीय जेट्स गिराने के दावे पर एयर चीफ ने तंज कसते हुए कहा, 'ये सब मनोहारी कहानिया हैं।

भोजपुरी स्टार खेसारी यादव लाल की पत्नी चंदा देवी लड़ेंगी चुनाव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का रंग अब और चटख हो गया है। इस बार मुकाबला सिर्फ सियासी दलों का नहीं बल्कि भोजपुरी सिनेमा के दो सबसे बड़े सितारों-खेसारी लाल यादव और पवन सिंह-का भी दिखने लगा है। जहां एक ओर पवन सिंह बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं अब खबर है कि खेसारी लाल यादव की पत्नी चंदा देवी मांझी विधानसभा सीट से राजद (फखऊ) की प्रत्याशी हो सकती हैं। ऐसे में इस सीट पर मुकाबला बेहद दिलचस्प होने वाला है।

2 साल से छोटे बच्चों को न दें कफ सिरप, केंद्र ने सभी राज्यों के लिए जारी की चेतावनी

(जीएनएस)।

राजस्थान और मध्य प्रदेश में कफ सिरप पीने से अब तक 11 बच्चों की मौत के मामले ने देश को चौंका दिया है। हालांकि शुक्रवार, 3 अक्टूबर को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालाय ने ये स्पष्ट किया की सिरप में किसी भी तरह के घातक केमिकल का सैंपल नहीं मिला है।

इसी के साथ ही केंद्र सरकार ने, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को बच्चों में खांसी और जुकाम की दवाओं के उपयोग को लेकर सतर्क रहने का आदेश जारी किया है। सरकार ने विशेष रूप से दो साल से कम उम्र के बच्चों में इन दवाओं के सेवन पर रोक लगाने और उन्हें प्रिस्क्राइब करने से परहेज करने को कहा है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपनी एडवाइजरी में कहा, "ये दवाएं आमतौर पर पांच साल से कम उम्र के बच्चों के लिए अनुशंसित नहीं हैं। पांच साल से अधिक उम्र के बच्चों में भी इनका उपयोग केवल सावधानीपूर्वक क्लीनिकल निगरानी के पालन के बाद ही किया जाना चाहिए।"

कफ सिरप से मौत का क्या है पूरा मामला?

इस कदम के पीछे मध्य प्रदेश और राजस्थान में खांसी की दवाओं के सेवन से हुई कम से कम 11 बच्चों की मौत का मामला सामने आया है। मौतों में मुख्य रूप से किडनी संबंधित जटिलताएं सामने आईं हैं। केंद्र ने मृत बच्चों के प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के लिए एक जॉइंट टीम बनाई, जिसमें नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (NCDC), नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ वायरोलॉजी (NIV) और सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन (CDSCO) के प्रतिनिधि शामिल थे।

टीम ने विभिन्न खांसी की दवाओं के सैंपल लिए और जांच की। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, "जांच रिपोर्ट में पाया गया कि किसी भी सैंपल में डायथीलीन ग्लाइकोल (DEG) या एथिलीन ग्लाइकोल (EG) नहीं था, जो गंभीर किडनी चोट का कारण बन सकते हैं।"

पश्चिम रेलवे बांद्रा टर्मिनस एवं बढ़नी के बीच चलाएगी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस एवं बढ़नी स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर एक स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 05034/05033 बांद्रा टर्मिनस – बढ़नी साप्ताहिक स्पेशल [16 फेरे]

ट्रेन संख्या 05034 बांद्रा टर्मिनस-बढ़नी साप्ताहिक स्पेशल प्रत्येक शनिवार बांद्रा टर्मिनस से 09:30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:15 बजे बढ़नी पहुँचेगी। यह ट्रेन 11 अक्टूबर से 29 नवंबर, 2025 तक चलेगी।

जन-जन की समृद्धि एवं खुशहाली हेतु प्रतिबद्ध उ.प्र. सीएम योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखनाथ मंदिर परिसर में 'जनता दर्शन' में विभिन्न जनपदों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री जी ने संबंधित अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण हेतु निर्देश दिए।

बलरामपुर अस्पताल में महात्मा गांधी को अर्पित किये श्रद्धासुमन

–पौधा रोपण में निदेशक, सीएमएस और एम एस ने लिया भाग

–वरिष्ठ फार्मासिस्ट अजय पांडेय ने सफाई अभियान की शुरूआत की

लखनऊ। देश के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के जयंती अवसर पर बृहस्पतिवार को बलरामपुर अस्पताल में एक तरफ जहां पुष्पांजलि का कार्यक्रम आयोजित किया गया तो दूसरी तरफ सफाई अभियान चलाया गया। इसके अतिरिक्त अस्पताल की निदेशक डा. कविता आर्या, सीएमएस डा. हिमांशु चतुर्वेदी और एमएस डा. देवाशीष शुक्ला और वरिष्ठ फार्मासिस्ट अजय पांडेय ने पौधा लगाकर प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। निदेशक डा. कविता आर्या ने विजयदशमी की शुभकामना देते हुए कहा कि आज सेवा पखवाड़ा का भी समापन हो रहा है। इस दौरान रक्तदान शिविर, निःशुल्क चिकित्सा शिविर आदि कई कार्यक्रम हुए हैं। सीएमएस डा. हिमांशु चतुर्वेदी ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की भी जयंती है। इस अवसर पर सभी डाक्टर और कर्मचारियों ने दोनों विभूतियों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करते हुए अपने श्रद्धा सुमन अर्पित किये हैं। एम एस डा. देवाशीष शुक्ला ने कहा कि प्रकृति संरक्षण की दृष्टि से आज पौधारोपण किया जाना बेहतर जरूरी है। अस्पताल में ओल्ड स्पेशल वार्ड के पास आम, नीम, आंवला, पीपल आदि के कई पौधे लगाये गये हैं। पौधारोपण का यह अभियान आगे भी चलता रहेगा। वरिष्ठ फार्मासिस्ट अजय पांडेय ने झाड़ू लगाकर सफाई अभियान की शुरूआत की। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भी अपना श्रमदान किया।

प्रदेश की शिल्प विरासत को संजोए फिक्की फ्लो का दो दिवसीय कारीगर मेला 2025 शुरू

लखनऊ । फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर ने आज गांधी जयंती के उपलक्ष्य पर खादी ग्राम उद्योग भवन, डाली बाग में कारीगर मेला 2025 का आयोजन किया। इस मेले में देश एवं प्रदेश की विविध शिल्प परंपराओं का प्रदर्शन किया गया। और यहाँ देश भर के कारीगर अपनी कृतियों को प्रदर्शित और विक्रय करने के लिए एक साथ आए।

आगंतुकों ने अमेठी के मूंज उत्पाद, कन्नौज की सुगंध, अवधी चांदी के जूते, मधुबनी कला, उत्सव के उपहार, आभूषण, क्रोशिया, हड्डी की नक्काशी, कांच के बने पदार्थ और जीवनशैली उत्पादों को खूब सराहा।

प्रत्येक वस्तु कालातीत कलात्मकता और स्थायी जीवन शैली को दशार्ती है।

इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिससे यह पुष्टि हुई कि हस्तनिर्मित, टिकाऊ और प्रामाणिक उत्पाद आधुनिक जीवनशैली को प्रेरित करते रहेंगे।

इस कार्यक्रम का उद्घाटन खादी एवं ग्रामोद्योग व एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने किया इस अवसर पर उन्होंने कहा कि फिक्की फ्लो इस मेले के आयोजन के माध्यम से प्रदेश के कारीगरों को बाजार उपलब्ध कराना और उन्हें अपने उत्पादों का उचित मूल्य मिल सके , के लिए प्रयास करता है। हमारे प्रदेश में हस्त निर्मित स्वदेशी उत्पाद विशेष कर बुनकर अपनी कलाओं का इस तरह के आयोजन में प्रदर्शन करते हैं जहां उन्हें प्रोत्साहन मिलता है।

कारीगर मेले के बारे में बताते हुए फिक्की फ्लो लखनऊ चैप्टर की चेयरपर्सन वंदिता अग्रवाल कहा कि इस मेले के आयोजन का मुख्य उद्देश्य कारीगरों को बाजार से कहीं बढ़कर पहचान मिले और उन्हें आजीविका के बेहतर अवसर प्रदान किया जाए और भारत की सांस्कृतिक विरासत को संजोया जाए। अदिति जग्गी और रिया पंजाबी इवेंट चेयर थीं।

फिक्की फ्लो की राष्ट्रीय हथकरघा एवं हस्तशिल्प प्रमुख स्वाति वर्मा ने भी अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर पूर्व चेयरपर्सन आरुषि टंडन, विभा अग्रवाल व फ्लो समिति की सदस्य सिमरन साहनी,देवांशी सेठ,स्मृति गर्ग, शमा गुप्ता ,भावना अनिमेष और वनिता यादव सहित फ्लो के 150 से अधिक सदस्य मौजूद थे।

मारिफत-ए-अखलाक-ए-रसूल पर सेमिनार, बाबुल इल्म लाइब्रेरी जामा मस्जिद ठाकुरगंज में आयोजित

लखनऊ बज्म-ए-नहजुल फलाह, मुफ़्तीगंज के तत्वावधान में बाबुल इल्म लाइब्रेरी, जामा मस्जिद तहसीन गंज में 'मारिफत-ए-अखलाक-ए-रसूल' विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत तिलावत-ए-कुरआन से हुई। बच्चों ने नातिया अशआर और सलाम पेश कर कार्यक्रम को रोशन किया।

मुख्य अतिथि वक्ताओं में मौलाना नजर अब्बास, मौलाना अहमद अली जैदी, डॉ. नजर सब्तैन और डॉ. बाकि र इमाम शामिल रहे। वक्ताओं ने कहा कि हजरत मोहम्मद मुस्तफा स.अ का अखलाक पूरी इंसानियत के लिए बेहतरीन उस्वा है। आपने इंसाफ, बराबरी, रहमत और इंसान दोस्ती की ऐसी मिसालें पेश कीं जो आज भी दुनिया के लिए मार्गदर्शन हैं।

मौलाना नजर अब्बास ने कहा कि आज के दौर में अमन और सुकून सिर्फ. तभी हासिल हो सकता है जब हम सीरत-ए-नबी स.अ को अपनाएँ। मौलाना अहमद अली जैदी ने युवाओं को रसूल के अखलाक से परिचित कराने की जरूरत पर बल दिया। डॉ. नजर सब्तैन ने कहा कि नबी स.अ का पैगाम आलमी है जो हर मजहब और कौम के लिए रोशनी का मिनार है। वहीं डॉ. बाकि र इमाम ने कहा कि रसूल-ए-अकरम स.अ ने हमेशा नर्मी, मोहब्बत और हुस्ने-अखलाक से दिल जीतने का पैगाम दिया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शहर के उलमा, छात्र और समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में दुआ के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। सभी प्रोग्राम में आए हुए लोगों का सईद हसन ने शुक्रिया अदा किया

बाजार खाला में रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री दानिश आजाद अंसारी कार्यक्रम की सराहना की

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा अवध क्षेत्र द्वारा रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसके मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी थे। कार्यक्रम के उप मुख्य अतिथि रक्षा मंत्री राज नाथ सिंह के सुपुत्र नीरज सिंह थे।कार्यक्रम की संयोजक फरहा रिजवी तथा सह संयोजक ऐनुद्दीन अहमद थे।कार्यक्रम की अध्यक्षता मुहम्मद नईम ने की।

रक्तदान एवं स्वास्थ्य शिविर में लगभग 50 लोगों ने रक्तदान किया, भारतीय जनता पार्टी के सैकड़ो नेताओं तथा कार्यकताओं ने पहुँच कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना योगदान किया। उत्तर प्रदेश सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी ने ऐसे कार्यक्रम करने के लिये आयोजकों का आभार व्यक्त किया। ऐसे कार्यक्रम और क्षेत्र के लोगों को आयोजित करना चाहिए ताकि जनता को फायदा मिल सके। कार्यक्रम की संयोजक फरहा रिजवी ने कहा कि इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी का हृदय से आभार। कार्यक्रम को सफल बनाने में निहारिका श्रीवास्तव, सलमान अहमद, आनंद त्रिवेदी, मोहम्मद नईम तथा राजेन्द्र प्रसाद का विशेष योगदान रहा। धन्यवाद ज्ञापन उबैद अली ने किया।

पुलिस प्रशासन के सहयोग से अमन और चैन में गूँजी इबादत की,

लखनऊ। गंगा-जमुनी तहजीब की नगरी लखनऊ ने एक बार फिर साम्प्रदायिक सद्भाव की उत्कृष्ट मिसाल पेश की है। शहर के दो महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल, बड़ा इमामबाड़ा और टीले वाली मस्जिद, पर आयोजित नमाज के दौरान उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करते हुए इसे शांतिपूर्ण और कुशल तरीके से संपन्न कराया गया।

इस सफलता का श्रेय सीधे तौर पर पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों के कुशल नेतृत्व और समर्पित प्रयास को जाता है।

कानून एवं व्यवस्था के नेतृत्व में, क्षीमान संयुक्त आयुक्त महोदय के मार्गदर्शन में, एक अचूक रणनीति तैयार की गई। इस रणनीति को धरातल पर उतारने में श्रीमान पुलिस उपायुक्त पश्चिम महोदय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही, जिन्होंने अग्रिम मोर्चे पर मोर्चा संभाला।

उनके साथ, एडीसीपी पश्चिम, सहायक पुलिस आयुक्त (चौक), सहायक पुलिस आयुक्त (ठाकुरगंज), और समस्त पुलिस बल ने कंधे से कंधा मिलाकर काम किया। पुलिस अधिकारियों की यह टीम न केवल सुरक्षा के प्रति सजग रही, बल्कि उन्होंने आमजन के साथ बेहतर समन्वय भी स्थापित किया, जिससे माहौल में विश्वास और सौहार्द बना रहा।

यह आयोजन मात्र एक सुरक्षा व्यवस्था नहीं था, बल्कि यह पुलिस और जनता के बीच आपसी सहयोग का प्रतीक बन गया। पुलिस बल की सक्रियता और संवेदनशीलता ने सुनिश्चित किया कि हजारों नमाजियों को किसी भी असुविधा या बाधा का सामना न करना पड़े।

बड़ा इमामबाड़ा और टीले वाली मस्जिद पर उमड़े जनसैलाब ने शांति और अनुशासन का परिचय दिया। पुलिस प्रशासन ने अपनी मुस्तैदी से यह सुनिश्चित किया कि धार्मिक अनुष्ठान बिना किसी अप्रिय घटना के, सद्भाव और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हो।

यह सफल संचालन सिद्ध करता है कि लखनऊ का प्रशासन कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ जनभावनाओं का सम्मान करने और सांस्कृतिक मेल-जोल को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यह घटना शहर की सकारात्मक छवि को और मजबूत करती है।

टीम लखनऊ से पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ने की मुलाकात

हरभजन सिंह ने टीम लखनऊ को किया सैल्यूट,बाढ़ पीड़ितों की सेवा को सराहा

टीम लखनऊ मानवता की जीती-जागती मिसाल है:हरभजन सिंह

लखनऊ/अमृतसर ।पंजाब के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों में एक सप्ताह तक निस्वार्थ सेवा देने वाली 'टीम लखनऊ' को आज राज्य के कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ने दिल से धन्यवाद दिया। हिमाचल प्रदेश के लिए रवाना होने से ठीक पहले, मंत्री ने टीम के सदस्यों से मुलाकात की और उनके जज्बे की जमकर सराहना की।लोक निर्माण मंत्री से भेंट करने वालों में टीम लखनऊ के लीडर,मुर्तजा अली,संयुक्त संस्थापक सदस्य कुदरत उल्लाह खान,मीडिया प्रभारी अब्दुल वहीद,जसबीर सिंह गांधी,इरफान शेख,शाहबाज खान आदि शामिल थे।

भेंट के दौरान टीम लीडर मुर्तजा अली ने मंत्री को अमृतसर और आसपास के गाँवों में चलाए गए व्यापक राहत अभियान की पूरी जानकारी दी।लोक निर्माण मंत्री हरभजन सिंह टीम के अथक प्रयासों से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उन्हें 'मानवता की जीती-जागती मिसाल' बताया। उन्होंने कहा, "आप लोगों ने जो सेवा की है, उसे पंजाब कभी नहीं भूलेगा।"टीम लखनऊ ने अपने सफल राहत अभियान के लिए सभी सहयोगियों का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्यसभा सांसद श्री संजय सिंह और माया फाउंडेशन की अध्यक्ष सौम्या भट्ट जी का नाम लिया, जिन्होंने पंजाब सरकार के साथ जरूरी समन्वय स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई।

पंजाब से विदा होते समय,टीम ने भारतीय सेना के कर्नल राकेश कुमार जी और उनकी टीम को भी विशेष धन्यवाद दिया। कर्नल और उनकी टीम की मदद से ही राहत सामग्री सुरक्षित और समय पर पंजाब बाढ़ पीड़ितों तक पहुंचाई जा सकी।

टीम लखनऊ ने दिखा दिया कि जब इंसानियत की बात आती है, तो सीमाओं के मायने नहीं होते।उनकी यह सेवा देश भर में जनसेवा के लिए एक प्रेरणा बन गई है।

पश्चिम रेलवे द्वारा स्वच्छता और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए स्वच्छता पखवाड़ा 2025 अभियान की शुरूआत

मुंबई, भारतीय रेल स्टेशनों, कार्यालयों, कारखानों और ट्रेनों में सफाई, स्वच्छता और पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए 1 से 15 अक्टूबर, 2025 तक स्वच्छता पखवाड़ा 2025 मना रही है। इसी दिशा में, पश्चिम रेलवे ने स्वच्छता पखवाड़ा अभियान 2025 शुरू किया है, जिसके अंतर्गत कर्मचारियों, यात्रियों और स्थानीय समुदायों को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण को बढ़ावा देने के लिए नवीन गतिविधियों में शामिल किया जाएगा। इस अभियान का उद्घाटन पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता ने चर्चगेट स्थित पश्चिम रेलवे मुख्यालय में किया, जहाँ उन्होंने स्वच्छता शपथ दिलाई। महाप्रबंधक और अन्य प्रमुख विभागाध्यक्षों ने भी स्वच्छता शपथ बोर्ड पर हस्ताक्षर किए।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक श्री विवेक कुमार गुप्ता, पश्चिम रेलवे मुख्यालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्वच्छता शपथ दिलाते हुए।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यालय और मंडल कार्यालयों में अधिकारियों और कर्मचारियों ने पहले दिन स्वच्छता शपथ ली। जागरूकता रैलियाँ, प्रभात फेरी, नुक्कड़ नाटक, स्वयंसेवकों द्वारा संचालित श्रमदान और वृक्षारोपण अभियान जैसी गतिविधियाँ उत्साहपूर्वक आयोजित की गईं।

दूसरे दिन, महात्मा गांधी जयंती और स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर, स्टेशन परिसरों, रेलवे कॉलोनियों और ट्रैक क्षेत्रों में सफाई और जागरूकता गतिविधियाँ जारी रहीं। गैर-सरकारी संगठनों और सामुदायिक संगठनों की सक्रिय भागीदारी से यात्रियों और स्थानीय समुदायों को स्वच्छता शपथ लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

पश्चिम रेलवे ने पखवाड़े से पहले स्वच्छता ही सेवा (एसएचएस-2025) अभियान भी चलाया, जिसमें सफाई अभियान, वृक्षारोपण, स्वास्थ्य और सुरक्षा शिविर, मैराथन, साइक्लोथॉन, युवा जुड़ाव कार्यक्रम, वेस्ट-टू-आर्ट परियोजनाएं, शून्य-अपशिष्ट समारोह और घर-घर जागरूकता अभियान शामिल थे।

ये प्रयास स्वच्छ भारत मिशन के प्रति पश्चिम रेलवे की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हैं तथा इसके नेटवर्क में स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ समुदायों का निर्माण करते हैं।

रविवार, 05 अक्टूबर, 2025 को कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं

पश्चिम रेलवे का माहिम एवं सांताक्रुज स्टेशनों के बीच रात्रिकालीन जम्बो ब्लॉक

मुंबई, रेलपथ, सिगनलिंग प्रणाली तथा ऊपरी उपस्करों के रख-रखाव हेतु पश्चिम रेलवे द्वारा शनिवार/रविवार, 04/05 अक्टूबर, 2025 की मध्यरात्रि को माहिम एवं सांताक्रुज स्टेशनों के बीच अप एवं डाउन धीमी लाइनों पर 01.00 बजे से 04.30 बजे तक 3.5 घंटे का जम्बो ब्लॉक लिया जायेगा।

पश्चिम रेलवे के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ब्लॉक के दौरान डाउन धीमी लाइन की सभी ट्रेनें मुंबई सेंट्रल एवं सांताक्रुज स्टेशनों के बीच डाउन फास्ट लाइनों पर चलायी जायेंगी। ये ट्रेनें प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण महालक्ष्मी, प्रभादेवी एवं माटुंगा रोड स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी तथा प्लेटफॉर्म की अपर्याप्त लंबाई के कारण इन ट्रेनों को लोअर परेल, माहिम एवं खार रोड स्टेशनों पर डबल हॉल्ट दिया जायेगा। इसी प्रकार, अप धीमी लाइन की ट्रेनें सांताक्रुज से मुंबई सेंट्रल/चर्चगेट के बीच अप फास्ट लाइन पर चलायी जायेंगी, जो खार रोड स्टेशन पर डबल हॉल्ट लेंगी तथा प्लेटफॉर्म की अनुपलब्धता के कारण महिम, माटुंगा रोड, प्रभादेवी, लोअर परेल एवं महालक्ष्मी स्टेशनों पर नहीं रुकेंगी। ब्लॉक के कारण कुछ अप एवं डाउन उपनगरीय ट्रेनें निरस्त रहेंगी।

इस ब्लॉक की विस्तृत जानकारी संबंधित स्टेशन मास्टरों के पास उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे उपरोक्त ब्लॉक व्यवस्था को ध्यान में रखें।

अतः रविवार, 05 अक्टूबर, 2025 को पश्चिम रेलवे के उपनगरीय खंड पर कोई दिवसकालीन ब्लॉक नहीं रहेगा।

आंबलियासन-विजापुर गेज परिवर्तन कार्य अंतिम चरण में आम जनता से रेल पटरी से दूर रहने की अपील

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर आंबलियासन से विजापुर के बीच 41.5 किमी लंबी रेल लाइन का गेज परिवर्तन (ऋ्छ) का कार्य वर्तमान में अंतिम चरण में है। इस संबंध में आम जनता से आग्रह है कि वे रेलवे ट्रैक के पास अनावश्यक रूप से न जाएँ और पूरी सावधानी बरतें।

इस समय इस लाइन पर विभागीय ट्रेनें, टेंपिंग मशीनें और अन्य तकनीकी मशीनें ट्रैक पर कार्यरत हैं। आगामी दिनों में इस ट्रैक पर तीव्र गति से ट्रेन का स्पीड ट्रायल भी किया जाएगा। यह ट्रायल रेल परिचालन शुरू करने से पहले की एक अनिवार्य प्रक्रिया है। स्थानीय निवासियों, किसानों और राहगीरों से निवेदन है कि वे रेलवे लाइन को अनधिकृत स्थानों से पार न करें। बच्चों और पशुओं को ट्रैक से दूर रखें और किसी भी प्रकार की असावधानी से बचें।

यह रेल लाइन क्षेत्र के लोगों की सुविधा और बेहतर कनेक्टिविटी के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। इसलिए सभी से सहयोग की अपेक्षा है ताकि यह कार्य सुरक्षित और सफलतापूर्वक पूर्ण किया जा सके।

5200 वर्ष बाद भगवान श्रीकृष्ण-बलराम शिक्षा यात्रा मथुरा से जाएगी उज्जैन : मथुरा में निकाली जाएगी भव्य शोभायात्र

–उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश के तीर्थ पुरोहित और धर्म यात्रा महासंघ और विश्व हिन्दू परिषद के होंगे पदाधिकारी शामिल

मथुरा (जीएनएस)। अखिल भारतीय तीर्थ पुरोहित महासंघ के द्वारा आज मथुरा नगर में विशाल श्रीकृष्णबलराम की शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में जानकारी देते हुए शोभायात्रा के मुख्य संयोजक ब्रजभक्त आचार्य रमाकांत गोस्वामी ने बताया कि 5200 वर्ष में पहली बार भगवान श्री कृष्णा और बलराम जी उनकी जन्म भूमि मथुरापुरी से विद्या अध्ययन के लिए महर्षि संदीपन मुनि के आश्रम उज्जैन जा रहे हैं। उनके स्वागत और दर्शन के लिए मथुरापुरी में आज शाम 3 बजे श्रीजी बाबा आश्रम भूतेश्वर से भगवान श्रीकृष्ण-बलराम की विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। उन्होंने सभी सनातन प्रेमी, धर्मस्वावलंबी, भगवान के भक्तों से आ'ान करते हुए कहा कि इस अद्भुत शोभायात्रा में ठाकुरजी के दर्शन करने का लाभ अवश्य लें। यात्रा में तीर्थ पुरोहित महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रयागनाथ चतुर्वेदी और राष्ट्रीय महामंत्री सुरेंद्र चतुर्वेदी (उज्जैन) भी शामिल होंगे। शोभायात्रा में आचार्य लालजीभाई शास्त्री, पंडित अमित भारद्वाज, पंडित मुरारीलाल उपाध्याय, आचार्य पंकज शास्त्री और पंडित यज्ञदत्त चतुर्वेदी शास्त्री सह संयोजक होंगे। बताया कि शोभायात्रा श्रीजी बाबा आश्रम से डीगगेट, मंडी रामदास, चौक बाजार, स्वामीघाट और द्वारकाधीश मंदिर से विश्राम घाट होते हुए राजा घाट पर विश्राम लेगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

पड़ोसी देशों में हो रही उथल-पुथल से चिंतित संघ प्रमुख

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) अपने स्थापना दिवस को हर वर्ष मनाता है, इस वर्ष यह सौवां स्थापना दिवस मना रहा है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी उपस्थित स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख डॉ. मोहन भागवत ने भारत के पड़ोसी देशों में हो रही उथल-पुथल और अशांति की घटनाओं पर बोलते हुए कहा कि इस तरीके से सत्ता परिवर्तन करने से कभी किसी का फायदा नहीं हुआ है। उल्लेखनीय है कि अभी हाल ही में नेपाल में जेन-जेड आंदोलन हुआ और इसके पहले श्रीलंका एवं बांग्लादेश में भी सत्ता परिवर्तन की घटनाएं हो चुकी हैं।

दरअसल संघ प्रमुख हिसक प्रदर्शन के खिलाफ हैं किन्तु उन्होंने यह भी कहा कि इन प्रदर्शनों से फायदे नहीं हुए। उन्होंने इतिहास की भी बात करते हुए यह भी कहा कि किसी क्रांति ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त नहीं किया। उन्होंने उदाहरण दिया कि फ्रांस के राज्य क्रांति का। उन्होंने उदाहरण दिया नेपोलियन बोनापार्ट का जो राजा तो बन गया किन्तु राज्य तंत्र कायम रहा। संघ प्रमुख का मानना है कि ऐसे हिसक प्रदर्शनों से देश की बाहरी ताकतों को लाभ होता है। संघ प्रमुख की यह चिन्ता भी महत्वपूर्ण है कि जिन पड़ोसी देशों पहले श्रीलंका, बांग्लादेश और बाद में नेपाल में हिसक प्रदर्शन हुए वे सभी हमारे जैसे हैं, ये हमसे दूर नहीं, ये हमारे अपने हैं। इस प्रकार की अस्थिरता होना, वह आत्मीयता के संबंध के चलते चिन्ता का विषय है।

सच तो यह है कि संघ प्रमुख की पड़ोसी देशों के प्रति संवेदना का कोई मतलब नहीं है। जिन तीन देशों का उल्लेख उन्होंने किया है, वहां पर सत्ता परिवर्तन के एक निश्चित और कामन कारण नहीं है। श्रीलंका में राजपक्षे सरकार आकंठ भ्रष्टाचार से डूबी हुई सरकार थी। उसका राजकोष चीन का कर्ज देने में ही खर्च हो जाता था, बाकी प्रथम परिवार जिसके बड़े भाई प्रधानमंत्री और छोटे भाई राष्ट्रपति थे तथा सबसे छोटे भाई वित्त मंत्री थे, सभी मिलकर देश को खोखला कर चुके थे। किन्तु हिसक आंदोलन के बाद रानिल विक्रमसिघे ने बहुत संयम, समझदारी और समन्वय से देश की आर्थिक स्थिति को संभाला। उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव संपन्न हुआ और आजकल देश में राजनीतिक स्थिरता भी है और आर्थिक संकट से मुक्ति भी मिल गई है।

रही बात बांग्लादेश की तो वहां की स्थिति अलग है। वहां पर आईएसआई ने अमेरिका के डीप स्टेट से मिलकर खेल खेला जिसमें कुछ कारपोरेट और खुफिया तंत्र शामिल हैं। तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की गलती मात्र यह है कि वह समय रहते अपने देश में हिसक आंदोलन की परिणति का अनुमान नहीं लगा सकीं। नेपाल में जो वुछ हुआ उसके लिए भी वहां की सरकार ही जिम्मेदार है। आम जनता की भावनाओं से कटी केपी शर्मा ओली की सरकार भ्रष्टाचार, भ्रम और राष्ट्रीय हितों के प्रतिवूल सब वुछ कर रही थी जिससे पूरा देश असंतुष्ट था।

संघ प्रमुख की यह बात सही है कि ये जितने भी राष्ट्र हिसक आंदोलन के शिकार हुए हैं, सभी हमारे अपने हैं किन्तु वास्तविकता तो यह है कि ये सभी अवसरवादी हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री रहते शेख हसीना ने भारत विरोधी आतंकियों को खत्म करके नई दिल्ली से मिलकर काम किया, इसलिए भारत सरकार आज भी उनका समर्थन करती है किन्तु श्रीलंका ने तो चीन से मिलकर वह सब वुछ उसके साथ समझौते किए जो भारतीय सुरक्षा के विपरीत था। फिर भी भारत श्रीलंका को उसके संकट काल में अकेले मददगार साबित हुआ। यहां तक कि विश्व समुदाय एवं अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों से त्रण दिलाने में भी श्रीलंका की मदद की।

बहरहाल संघ प्रमुख की चिन्ता बिल्वुल सही है कि पड़ोसी देशों में हिसक आंदोलन और सत्ता परिवर्तन नहीं होना चाहिए था किन्तु सभी देशों के लिए उनका आशय सही नहीं है। भारत जैसे विशाल देश में यदि भ्रष्टाचार की घटनाओं को मुद्दा बनाकर सरकारें बदली जा सकती हैं तो इन छोटे देशों को इस बात का एहसास क्यों नहीं होता कि आज सोशल मीडिया के युग में हमेशा सजग रहने की जरूरत है।

गांधीनगर में भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन का राष्ट्रीय सम्मेलन सुशासन के साथ-साथ सतत विकास, आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय की आवश्यकता के अनुरूप है : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

- देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन कार्य से जुड़े वरिष्ठ अधिकारी हुए सहभागी
- सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए मुख्यमंत्री की प्रेरक उपस्थिति में प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ एमओयू पर हुए हस्ताक्षर
- घुमंतू जातियों के परिवारों को स्वामित्व कार्ड, सुरक्षा किट और आवासीय भूखंड के सनद वितरित किए गए

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-

- भूमि हमारी सभ्यता का आधार, अर्थव्यवस्था की रीढ़, किसानों की आजीविका और उद्योग-व्यापार के निवेशों तथा लोगों के अधिकार का प्रमाण है
- पारदर्शी और विश्वसनीय प्रशासन के लिए आई-ओआरए और जीएआरवीआई (गरवी) 2.0 जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म परिणामकारी सिद्ध हुए, जिससे राजस्व की जटिल और उलझन भरी प्रक्रियाओं को जनाभिमुख दृष्टिकोण से आसान बनाने में मदद मिली
- गुजरात ने श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में 2005 में ई-धरा योजना के माध्यम से किसानों के भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण करने की अनोखी पहल की
- गुजरात ने तूफान, बरसात और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना जीरो कैजुअल्टी के साथ करने की क्षमता विकसित की है
- प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में नागरिक-केंद्रित शासन से गुजरात देश के विकास का रोल मॉडल और ग्रोथ इंजन बना

गांधीनगर, (जीएनएस)।: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि हमारी भूमि सभ्यता का आधार और अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इतना ही नहीं, भूमि किसानों की आजीविका, उद्योग-व्यापार के निवेशों और लोगों के अधिकार का प्रमाण भी है।

उन्होंने कहा कि इस प्रमाण को त्रुटिहीन और सुगम बनाने की प्राथमिकता सुनिश्चित करने के लिए

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया डिजिटल इंडिया भूमि अभिलेख आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआईएलआरएमपी) उपयुक्त बना है।

मुख्यमंत्री ने यह बात शुक्रवार को गांधीनगर में भूमि प्रशासन और आपदा प्रबंधन पर शुरू हुए दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कही।

उन्होंने इस अवसर पर नए राजस्व कार्यालयों और आवासीय भवनों का उद्घाटन, नई योजनाओं का प्रदर्शन, राजस्व डायरी का विमोचन, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर और घुमंतू जातियों के परिवारों को स्वामित्व कार्ड, सुरक्षा किट एवं आवासीय भूखंड की सनद का वितरण भी किया।

इस दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन राज्य सरकार और केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्रालय के भूमि संसाधन विभाग तथा गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा संयुक्त रूप से किया गया है।

इस सम्मेलन में नागरिक-केंद्रित शासन के लिए राजस्व कानूनों का आधुनिकीकरण, भूमि अभिलेख और पंजीकरण प्रणालियों का उन्नयन, शहरी भूमि अभिलेखों का निर्माण और अद्यतनीकरण, राजस्व न्यायालयों के मामलों का पुनर्गठन, पुनः सर्वेक्षण प्रयास और भूमि अधिग्रहण, आपदा प्रबंधन में श्रेष्ठ कार्य, आधुनिक भूमि प्रशासन के लिए मानव संसाधन नियोजन जैसे विभिन्न विषयों पर महानुभावों द्वारा पैनल चर्चा की जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से आयोजित किए जा रहे इस राष्ट्रीय सम्मेलन को सुशासन के साथ-साथ सतत विकास, आर्थिक प्रगति और सामाजिक न्याय की आवश्यकता के अनुरूप सम्मेलन करार दिया।

उन्होंने गुजरात को पिछले 24 वर्षों से लगातार मिल रहे प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व के लाभ का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी ने विशिष्ट पहल करते हुए 2005 में ई-धरा योजना के जरिए किसानो की भूमि के अभिलेखों का डिजिटलीकरण शुरू किया था।

मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि जब देश के अन्य राज्यों में किसानों को अपनी भूमि के अभिलेखों के विवरण के लिए सरकारी कार्यालयों के धक्के खाने खाने पड़ते थे, तब गुजरात ने श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से भूमि अभिलेखों को डिजिटली उपलब्ध कराने की शुरूआत कर दी थी। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे नागरिक-केंद्रित सुशासन को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री की ही प्रेरणा और मार्गदर्शन से गुजरात ने 2011 में राज्य भर में जनसेवा केंद्र शुरू किए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राङ्ग

पांच वजहें क्यों कलर्स का 'धाकड़ बीरा' एक रोमांटिक ट्विस्ट के साथ फिर आपका दिल चुरा लेगा

बारह साल बाद, भाई-बहन की कहानी हमेशा के लिए बदलने वाली है, और एक अप्रत्याशित मोड़ लेने वाली है! कलर्स का 'धाकड़ बीरा' एक निडर छलांग लगाता है, जहां बीते कल के रिश्ते आज की चुनौतियों की आग में परखे जाएंगे और जुड़ेंगे रोमांस के रंग। सम्राट (अब गौरव बजाज द्वारा निभाया गया किरदार) एक छोटे रक्षक से योद्धा बन गया है, जो बलिदान की चोटों से भरा है। वहीं किशमिश (निक्की शर्मा) एक साहसी शक्ति के रूप में उभर रही है, जो उन सभी बंधनों को तोड़ने के लिए तैयार है, जिन्होंने उसे रोके रखा था। इस पीरियड लीप के साथ, ये किरदार एक नए और अनजाने सफर में कदम रखते हैं, जहां रिश्ते परखे जाएंगे, नए किरदार आएंगे जो कहानी को मोड़ देंगे और हर फैसला अपनी कीमत लेकर आएगा। जैसे-जैसे दुश्मन करीब आते हैं और वफादारियां टूटती हैं, यह ड्रामा एक नए दौर में प्रवेश करता है— जहां विस्फोटक टकराव और अविस्मरणीय फैसले आपका इंतजार कर रहे हैं।

यहाँ हैं पाँच दमदार वजहें, जिनकी वजह से यह पोस्ट-लीप ड्रामा आपकी वॉचलिस्ट में सबसे ऊपर होना चाहिए—

1. खलनायकों की भिड़ंत!

जब रक्षंदा खान और मनीष खन्ना एक ही फ्रेम में आते हैं, तो धमाका होना तय है। रक्षंदा लोहे की मुट्ठी यानी ताकत से राज करती हैं और मनीष अपनी पुरानी सोच पर अडिग रहते हैं। साथ में दोनों टीवी पर सबसे विस्फोटक खलनायक बनाम खलनायक की टक्कर पेश कर रहे हैं। यह सिर्फ ताकत की जंग नहीं, बल्कि अहंकार, अस्तित्व और शुद्ध नाटकीय तीव्रता का युद्ध है।

2. बागी अदाओं वाली वापसी झ्र नेहा राणा कलर्स पर लौट आईं

कलर्स के 'मेघा बरसेंगे' और 'जुनूनियत' की चहेती स्टार नेहा राणा धमाकेदार वापसी कर रही हैं! वह करिश्मा के जबरदस्त धमाकेदार रोल में दिखेंगी, जो समाज की परंपराओं को ऐसे हिलाएगी, जिसकी आप कल्पना भी नहीं कर सकते। बस इतना समझ लीजिए, नियम टूटेंगे, सीमाएं पार होंगी

और एक ऐसा तूफान उठेगा, जो सब कुछ बदल देगा। इस लड़की की बगावत अभी शुरू ही हुई है।

3. रक्षक या कैदी?

लीप के बाद सम्राट का सफर विरोधाभासों से भरा है। कभी वह अपनी छोटी बहन की ढाल था, लेकिन अब 25 साल का यह नौजवान जिम्मेदारियों से कठोर हो चुका है और बलिदान से घायल। उसने एक छोटे गैराज से साम्राज्य खड़ा किया, चारों ओर से आ रहे दुश्मनों से लड़ा, लेकिन अब ऐसे फैसलों में फंसा है, जो उसने कभी नहीं चाहे। वह जेन जी का हीरो है, जिसके लिए प्यार एक लग्जरी है और जिंदा रहना ही सबसे बड़ी जंग।

4. योद्धा बहन, परछाई नहीं

किशमिश अब वह मासूम बच्ची नहीं रही, जिसे दर्शक याद करते हैं। अब वह 18 साल की है—मजबूत, जिंदादिल और अपनी पहचान बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित। उसके भाई के हर जख्म उसकी ताकत को और बढ़ाते हैं, ताकि वह बड़े सपने देख सके, और कड़ी लड़ाई लड़ सके, जिससे भाई को वह जीवन लौटा सके, जो उसने उसके लिए खोया। यह छलांग उसके बदलाव की निशानी है—'प्रोटेक्टेड' से 'अनस्टॉपेबल' तक—और उसका सफर जितना भावुक है, उतना ही प्रचंड भी।

5. दिमाग हिला देने वाले लीप के बाद के रहस्य

लीप के बाद की दुनिया का हर कोना ऐसे रहस्य छिपाए है, जो कभी भी फट सकते हैं। झूठ पर टिके रिश्ते, छिपे एजेंडा से खिंचे रिश्ते—कुछ भी वैसा नहीं है, जैसा दिखता है। नए किरदार नई आंधियां लाते हैं, पुराने रिश्ते दुश्मनी में बदल जाते हैं और वफादारियां तब तक परखी जाती हैं, जब तक वे टूट न जाएं। इस सीजन में एक खुलासा सब कुछ उलट सकता है और सच किसी भी दुश्मन से ज्यादा खतरनाक है। 'धाकड़ बीरा' देखना न भूलें, हर दिन शाम 7:00 बजे, सिर्फ कलर्स पर

'5 अक्टूबर तक समझौता हो जाना चाहिए, वरना नर्क जैसा कहर झेलें', गाजा युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हमास को चेतावनी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए हमास को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर कहा कि वॉशिंगटन डीसी समयानुसार रविवार शाम 6 बजे (ईटी) तक हमास को शांति समझौते पर सहमत होना होगा, वरना समूह को 'पहले कभी न देखा गया नर्क जैसा कहर' झेलना पड़ेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर डेडलाइन मिस हुई, तो 'सब कुछ बर्बाद हो जाएगा' और हमास के बचे-खुचे लड़ाकों की जान भी खतरे में पड़ जाएगी।

ट्रंप ने अपने पोस्ट में लिखा, 'हर देश ने इस 20-सूत्री योजना पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। अगर यह आखिरी मौका चूक गया, तो हमास के खिलाफ ऐसा हमला होगा, जो इतिहास में कहीं नहीं देखा गया।' उन्होंने निर्दोष फिलिस्तीनियों से अपील की कि वे तुरंत गाजा के असुरक्षित इलाकों से सुरक्षित हिस्सों में चले जाएं, क्योंकि 'संभावित बड़ी मौत का खतरा मंडरा रहा है।' ट्रंप ने जोर देकर कहा, 'मध्य पूर्व में किसी न किसी तरह शांति होगी। हिंसा और रक्तपात अब रुकना चाहिए।'

ट्रंप की 20-सूत्री योजनाः युद्धविराम से पुनर्निर्माण तक

ट्रंप ने इस हफ्ते की शुरूआत में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ मिलकर यह योजना पेश की थी, जिसे व्हाइट हाउस ने 'ऐतिहासिक अवसर' बताया है। योजना के प्रमुख बिंदुः-

तत्काल युद्धविरामः इजरायल और हमास दोनों की सहमति पर फौरन फायरिंग बंद।

बंधक आदान-प्रदानः हमास को 72 घंटे के अंदर सभी बंधकों (जिंदा और मृत शवों सहित) को रिहा करना होगा। बदले में इजरायल 7 अक्टूबर 2023 हमले के बाद गिरफ्तार फिलिस्तीनी कैदियों, महिलाओं और बच्चों को छोड़ेगा।

हमास का निरस्त्रीकरणः समूह को हथियार, सुरंगें और सैन्य ढांचा नष्ट करना होगा। हमास का गाजा में कोई शासन या सैन्य भूमिका नहीं रहेगी।

अस्थायी प्रशासनः गाजा का नियंत्रण एक अंतरराष्ट्रीय 'शांति बोर्ड' को सौंपा जाएगा, जिसके चेयरमैन ट्रंप खुद होंगे। इसमें पूर्व ब्रिटिश पीएम टोनी ब्लेयर जैसे प्रमुख व्यक्ति शामिल होंगे। यह बोर्ड मानवीय सहायता, पुनर्निर्माण (पानी, बिजली, अस्पताल, बेकरी) और विकास का समन्वय करेगा।

इजरायली वापसीः चरणबद्ध तरीके से इजरायली सेना पीछे हटेगी, साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्थिरीकरण बल तैनात होगा।

आतंकवाद-मुक्त गाजाः योजना गाजा को 'आतंकवाद मुक्त क्षेत्र' में बदलने का लक्ष्य रखती है, जिसमें आर्थिक विकास और सहायता का विस्तार शामिल है। हमास सदस्यों को शांति का पालन करने पर माफी दी जा सकती है, और बाहर जाना चाहने वालों को सुरक्षित पैसेज मिलेगा।

ट्रंप ने कहा, 'इस समझौते से हमास के सभी बचे लड़ाकों की जान बच जाएगी। दस्तावेज का विवरण दुनिया जानती है, और यह सबके लिए फायदेमंद है!' योजना को सऊदी अरब, जॉर्डन, यूएई, कतर, मिस्र और तुर्की जैसे देशों ने स्वागत किया है, लेकिन फिलिस्तीनी अथॉरिटी ने इसे 'कब्जे को वैध बनाने' वाला बताया है।

हमास का रुखः विचाराधीन, लेकिन संशय बरकरार

हमास ने अभी तक योजना को आधिकारिक तौर पर खारिज या स्वीकार नहीं किया है। समूह के करीबी सूत्रों के अनुसार, वे प्रमुख बदलावों की मांग कर रहे हैं, खासकर निरस्त्रीकरण और फिलिस्तीनी एकता को तोड़ने वाले प्रावधानों पर। हमास नेता ने कहा, 'यह योजना अपमान स्थापित करेगी और फलस्तीनी कारण को खत्म करने की कोशिश है।' दो साल के युद्ध में हमास ने हजारों लड़ाके खोए हैं, और 25,000 से ज्यादा 'सैनिक' मारे जा चुके हैं, जैसा ट्रंप ने दावा किया।

7 अक्टूबर 2023 का 'नरसंहार' और गाजा का संकट

यह चेतावनी 7 अक्टूबर 2023 को हमास के इजरायल पर हमले के दो साल बाद आई है, जिसमें 1,219 लोग मारे गए थे और 250 से ज्यादा बंधक बनाए गए। ट्रंप ने हमास को 'क्रूर और हिंसक खतरा' बताते हुए कहा कि उन्होंने 'शिशुओं, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों' को निशाना बनाया। जवाबी कार्रवाई में इजरायली हमलों से गाजा में 66,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे गए, ज्यादातर नागरिक। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भुखमरी और कुपोषण से 453 मौतें (150 बच्चे) हो चुकी हैं, और फलस्तीन के कुछ हिस्सों में अकाल घोषित है।

नेटन्याहू ने योजना का समर्थन किया है, लेकिन इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने उन्हें युद्ध अपराधों के लिए वांछित घोषित किया है। ट्रंप ने कहा, 'हमास या तो मान लेगा या 'बहुत दुखद अंत' होगा। बाकी हमास सदस्य घिरे हुए हैं, बस मेरा 'जाओ' का आदेश इंतजार कर रहे हैं।'

क्या होगा अगला कदम?

ट्रंप की यह समयसीमा (मध्य रात्रि गाजा समयानुसार) हमास पर दबाव बढ़ा रही है, जबकि कतर, मिस्र और तुर्की मध्यस्थता कर रहे हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि ट्रंप ही तय करेंगे कि कितना समय दिया जाए। फिलहाल, गाजा में इजरायली हमले जारी हैं, और 7,50,000 फिलिस्तीनी विस्थापित हो चुके हैं। मानवीय संगठनों ने चेतावनी दी है कि सहायता की कमी से भुखमरी बढ़ रही है।

डाबर ओडोमोस ने शुरू किया विशाल अभियान मेकिंग इंडिया डेंगु फ्री

राम किशोर कान्वेंट इंटर कालेज में छात्रों को किया गया जागरूक लोगों को डेंगु से बचने के लिए जागरूक कर रहा है ब्राण्ड

लखनऊ। मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से शहर को बचाने के प्रयास में डाबर की ओर से भारत के सबसे पसंदीदा पर्सनल ऐप्लीकेशन मोस्क्युटो रेपेलेन्ट ब्राण्ड ओडोमास ने आज लखनऊ में एक विशाल अभियान मेकिंग इंडिया डेंगु फ्री की शुरूआत की है। इस अभियान के तहत ओडोमोस टीम लोगों तक पहुंचेगी और उन्हें डेंगु के बारे में जानकारी देगा और बताएगी कि वे किस तरह मच्छरों से फैलने वाली बीमारियों से अपने आप को बचा सकते हैं। साथ ही अभियान के तहत लोगों को मुफ्त ओडोमोस मोस्क्युटो रेपेलेन्ट क्रीम भी बांटी जाएगी। अभियान के तहत डाबर ओडोमोस ने आज राम किशोर कॉन्वेंट इंटर कॉलेज, अभिषेकपुरम, साठ फिटा रोड, जानकीपुरम विस्तार के 150 से अधिक छात्रों और शिक्षकों को मच्छर से होने वाले बीमारियो के बारे में जागरूक किया। ओडोमोस टीम सार्वजनिक क्षेत्रों जैसे बस टर्मिनलों, रेलवे स्टेशनों पर जागरुकता सत्रों का आयोजन भी करेगा, जिनके जरिए लोगों को डेंगु से बचाव के बारे में जानकारी दी जाएगी। इस जागरूकता कार्यक्रम में आयुवेर्दाचार्य सहित मुख्य अतिथि समाजसेवी श्री पंकज तिवारी, श्री दिनेश कुमार, सीनियर मैनेजर, डाबर इंडिया लिमिटेड, कालेज के प्रबन्धक श्री जी.पी. शुक्ला, प्रधानाचार्या श्रीमती बीना त्रिपाठी सहित कई प्रमुख लोग मौजूद थे। डाबर इंडिया लिमिटेड के मार्केटिंग हैड -होम केयर, श्री वैभव राठी ने कहा एक ब्राण्ड के रूप में ओडोमोस लोगों को डेंगु एवं मच्छरों से फैलने वाली अन्य बीमारियों से सुरक्षित रखने के लिए प्रयासरत है। अपने इन्हीं प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए हमने लोगों को डेंगु की रोकथाम के बारे में जागरुक बनाने के लिए इस सामाजिक अभियान की शुरूआत की है। क्योंकि

हाल ही के महीनों में डेंगु के मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में जरूरी है कि लोगों को इससे बचाव के तरीकों के बारे में जागरुक बनाया जाए, ताकि वे अपने आप को डेंगु से सुरक्षित रख सकें। इस अभियान के तहत हम डेंगु और इससे बचने के तरीकों के बारे में जागरुकता बढ़ाएंगे। जागरूकता शिविर को संबोधित करते हुए श्री पंकज तिवारी ने कहा डेंगु फैलाने वाले मच्छर आमतौर पर दिन में काटते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने साथ-साथ बच्चों की सुरक्षा पर भी ध्यान दें। बच्चे चाहे घर से बाहर खेलने जाएं या घर के कमरे में रहें, उन्हें मच्छरों से बचाना बहुत जरूरी है। ओडोमास सबसे पसंदीदा पर्सनल ऐप्लीकेशन प्रोडक्ट है जो मच्छरों से संपूर्ण सुरक्षा प्रदान कर कई जानलेवा बीमारियां से बचाता है। दिन हो या रात, आप घर में हों या घर के बाहर, मच्छरां से बचने के लिए ओडोमास जरूर लगाएं।" श्री दिनेश कुमार, सीनियर मैनेजर, डाबर इंडिया लिमिटेड ने कहा, "डेंगु से बचने के लिए रोकथाम के उपायों पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। हम लोगों को इसके बारे में जागरुक बनाना चाहते हैं ताकि वे डेंगु एवं मच्छरां से फैलने वाली अन्य बीमारियों से अपने आप को सुरक्षित रख सकें। मेकिंग इंडिया डेंगु फ्री इसी दिशा में हमारा एक प्रयास है।"

IWI Tavor राइफल कैसे बनी इंडियन फोर्सेज की पहली पसंद? एक मिनिट में दागती है इतनी गोलियां

(जीएनएस)।

भारत की विशिष्ट स्पेशल फोर्स यूनिट्स-मार्कोस (मरीन कमांडो), गरुड़ स्पेशल फोर्सेस और पैरा स्पेशल फोर्सेस-अपनी असाधारण दक्षता, कठोर प्रशिक्षण और राष्ट्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए प्रसिद्ध हैं। ये यूनिट्स बेहतरीन हथियारों और टैक्टिकल वेपन्स से लैस हैं, जो उन्हें हाई रिस्क वाले ऑपरेशन्स को सटीकता से अंजाम देने में सक्षम बनाते हैं। उनके हथियारों के जखीरे में, IWI Tavor राइफल अपने डिजाइन, मल्टी टास्क और विश्वसनीयता के कारण एक पसंदीदा विकल्प के रूप में उभर कर सामने आती है।

Tavor राइफल और स्पेशल फोर्सेस

IWI Tavor राइफल भारत के स्पेशल फोर्सेस का पर्याय बन चुकी है। नौसेना की स्पेशल ऑपरेशन यूनिट मार्कोस समुद्री अभियानों, Amphibious wÔrfÔre और आतंकवाद-रोधी गतिविधियों में माहिर है। उनका प्रशिक्षण दुनिया में सबसे कठिन में से एक माना जाता है, जिसमें गहरे समुद्र में गोताखोरी से लेकर करीबी मुकाबले तक के कौशल शामिल हैं। वहीं, इंडियन एयर फोर्स की स्पेशल यूनिट गरुड़ स्पेशल फोर्सेस युद्ध खोज और बचाव, आतंकवाद-रोधी अभियान और हवाई अड्डों की सुरक्षा जैसे मिशनों को पूरा करती है। भारतीय सेना की प्रमुख इकाई पैरा एसएफ diverse terrains-रेगिस्तान से लेकर पहाड़ों तक-में ऑपरेशन को सफलतापूर्वक करने में सक्षम है।

Oi Defence

हथियारों लेकर नई पसंद

भारतीय स्पेशल फोर्सेस में हथियारों का इतिहास समृद्ध और विकसित रहा है। 1990 के दशक से

पहले, इन इकाइयों में रछफ बैटल राइफल्स और अङ सीरीज की अलग-अलग हथियारों का इस्तेमाल किया जाता है। 1990 के दशक में Vz.58 को अपनाना एक बड़ा बदलाव था। वहीं, 1980 के दशक में स्टायर AUG भारत का पहला बुलपप हथियार बना। इसके बार-बार बदलने वाले बैरल और बुलपप कॉन्फि गरेशन ने बाद में INSAS राइफलों के विकास को प्रभावित किया और भारत की भविष्य की प्राथमिकताओं को दिशा दी।

भारत और इजराइल की साझेदारी

इजराइली इंजीनियरिंग का उत्पाद, IWI Tavor, एक दशक से भी पहले भारतीय स्पेशल फोर्सेस को दी गई थी। Tavor के विकास में भारत की भागीदारी, भले ही क्लासिफाइड हो, लेकिन यह दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी के लिए बेहतर विकल्प है। प्रारंभ में, स्पेशल फ्रंटियर फोर्स (SFF) और पैरा एसएफ में Tavor की शुरूआत चुनौतियों से भरी रही, लेकिन बाद के सुधारों ने इसे एक विश्वसनीय हथियार बना दिया।

मां दुर्गा मूर्ति प्रतिमाओं दसवें दिन हुआ विसर्जन

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। आपको बता दे नवरात्रि के मौके पर भव्य पंडालों एव मनमोहक झांकियों के बीच स्थापित की गयीं माँ दुर्गा की प्रतिमाओं के नव दिनों तक चले पूजा अर्चना के बाद दशवें दिन शोभायात्रा निकाल कर नदी में विसर्जित किया गया।

नवरात्रि के मौके पर बांसा, चक धनकुट्टी रहरामऊ, गडरिया पुरवा ग्रामीण अंचलों में स्थापित की गयीं प्रतिमाओं की पूजा अर्चना के शुक्रवार को गाँव से प्रतिमा जुलूस पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था गाजे बाजे के साथ निकाला गया।जुलूस के दौरान माँ के भक्तो द्वारा जगह जगह हलवा, पूड़ी लईया, चना सहित खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। माँ के जयकारे के चलते पूरा क्षेत्र भक्ति में सरोवर हो गया। विभिन्न गांवों एव मजरों से निकली माँ की शोभायात्रा दोपहर बाद देर शाम कल्याणी नदी 2 दर्जन से अधिक माँ की प्रतिमाओं का विसर्जन पूजन अर्चन के बाद किया गया। जुलूस में शान्ति बनाये रखने के लिये सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर पुलिस बल तैनात सफदरगंज थानाक्षेत्र के ग्राम सिकन्दरपुर घाट कल्याणी नदी में हजारो भक्तो की मौजूदगी में किया गया। घाट पर भारी भरकम भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रभारी निरीक्षक मसौली अमित प्रताप सिंह थानाध्यक्ष सफदरगंज अमर कुमार चौरसिया द्वारा किये गए प्रयास काफी सराहनीय रहे इस मौके पर किसान नेता राहुलगुप्ता ग्राम प्रधान राम सिंह उमाकांत राव अनिल वर्मा लेखपाल राजेश तिवारी कबीर शरण यादव राज नारायण एवं समस्त भक्तगण मौजूद रहे

दिल्ली मॉडल से यूपी की राजनीति बदलने का संजय सिंह ने किया ऐलान

(जीएनएस)।

अयोध्याः आम आदमी पार्टी ने आगामी 31 अक्तूबर से प्रयागराज से अयोध्या तक 'रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो' पदयात्रा की घोषणा की है, जो 15 नवंबर को अयोध्या में संपन्न होगी। इस संबंध में शुक्रवार को अयोध्या में हुई तैयारी बैठक में आप नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी का मूल उद्देश्य राजनीति को बुनियादी मुद्दों से जोड़ना है और देश की राजनीति की दिशा को बदलना है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली-पानी और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर आमूल-चूल परिवर्तन कर हमने यह साबित किया है कि आम आदमी पार्टी बदलाव की राजनीति करती है।

संजय सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में क्रांति की, गरीब और अभावग्रस्त बच्चों को टाट-पट्टी से उठाकर एयरकंडीशन कक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंचाया। इसी तरह मोहल्ला क्लीनिक मॉडल के जरिए स्वास्थ्य सेवाओं में व्यापक सुधार किया गया, जहां 200 तरह की जांचें मुफ्त होती हैं। उन्होंने बताया कि दिल्ली में बिजली,

पानी, शिक्षा और इलाज मुफ्त करने के साथ ही महिलाओं को बस यात्रा में फ्री सुविधा दी गई और 10 वर्षों तक लगातार मुनाफे का बजट पेश किया गया।

आप सांसद ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक भी विधायक न होने के बावजूद आम आदमी पार्टी ने सरकारी स्कूलों को बंद करने के मुद्दे को मजबूती से उठाया। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि जो आपके बच्चों के स्कूलों की 'पेयरिंग' कर रहे हैं, असल में उनके दिमाग की 'रिपेयरिंग' की जरूरत है। योगी आदित्यनाथ सरकार और उनके भ्रष्ट अधिकारियों की नीतियों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि इनकी सोच की भी रिपेयरिंग करनी होगी।

संजय सिंह ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा न शिक्षा की बात करती है, न अस्पताल की, न रोजगार और न ही पेपर लीक की। इनका पूरा एजेंडा धर्म के नाम पर धंधा करना है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदू-मुस्लिम के बीच नफरत फैलाकर राजनीति कर रही है और उनकी यह 'धर्म के नाम पर धंधे की दुकान' अगर कोई बंद कर सकता है तो वह सिर्फ आम आदमी पार्टी है।

आप नेता ने कहा कि आम आदमी पार्टी लगातार इस बात की कोशिश करती है कि राजनीति के केंद्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे रहें। लेकिन भाजपा नफरत फैलाने की राजनीति करती है। उन्होंने कहा कि भाजपा बरेली में बुलडोजर चलाती है और पूरा मीडिया उसी नफरत को दिखाने में लग जाता है। संजय सिंह ने कहा कि इस प्रवृत्ति को ठीक करने का काम भी आम आदमी पार्टी ही करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि अयोध्या की धरती पर खड़े होकर मैं यह कह रहा हूं कि बाबा बुलडोजर की राजनीति में 90 प्रतिशत हिंदुओं के घर ढहाए गए हैं। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र काशी में भी सड़क चौड़ीकरण के नाम पर हजारों हिंदुओं के घरों पर बुलडोजर चलाया गया।

किसानों की हालत पर चिंता जताते हुए संजय सिंह ने कहा कि जब किसानों को उनकी उपज का उचित दाम नहीं मिलता, तब उन्हें लाठियां खानी पड़ती हैं। खाद की बोरियां लेने के लिए भी उन्हें लाठीचार्ज का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि आज कृषि की लागत इतनी बढ़ गई है कि खेती करना किसानों के लिए घाटे का सौदा हो गया है। उन्होंने छोटे, मध्यम और कुटीर उद्योगों की बदहाली पर भी चिंता जताई और कहा कि इस आंदोलन में इन्हें भी जोड़ने का आ'ान किया जाएगा। सामाजिक न्याय की बात करते हुए उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी भेदभाव की राजनीति होगी और गरीब पर अन्याय होगा, आम आदमी पार्टी वहां आवाज बुलंद करेगी।

इस अवसर पर पदयात्रा आयोजन समिति के अध्यक्ष व निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह, अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल, समिति के सदस्य व निवर्तमान प्रदेश महासचिव दिनेश सिंह पटेल, बौद्ध प्रांत अध्यक्ष इमरान लतीफ सहित सभी जिलों के जिलाध्यक्ष मौजूद रहे।

'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस ने छेड़ी मुहिम, बूथ समितियों के गठन पर जोर

(जीएनएस)।

पीलीभीत। जिला कांग्रेस की मासिक बैठक मंडी समिति कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन सृजन अभियान की समीक्षा और आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा हुई।

अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा ने कहा कि अधिकांश ब्लॉकों में बूथ समितियों का गठन पूरा हो चुका है, शेष ब्लॉकों में यह कार्य शीघ्र सम्पन्न होगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस हाईकमान के आ'ान पर 'वोट चोरी' के विरुद्ध चल रहे हस्ताक्षर अभियान को हर तहसील और ब्लॉक तक पहुँचाना प्राथमिकता है। इसके लिए पदाधिकारियों और कार्यकताओं को जिम्मेदारियाँ सौंप दी गई हैं।

बैठक में महासचिव डॉ. नागेश पाठक, ब्लॉक अध्यक्ष हरीश मौर्य, राजू मिश्रा, प्रदीप मौर्य, इरफान, जाहिद खां, वासुदेव ठाकुर, छात्र कांग्रेस अध्यक्ष राजेश वर्मा, पीसीसी ईश्वर दयाल पासवान, यूसुफ मलिक, पुष्पा गंगवार, कांग्रेस प्रवक्ता हेमन्त मिश्रा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अज्ञात वाहन ने गाय को मारी टक्कर, मौत

बदायूं नन्दवारी पुलिया पर अज्ञात वाहन ने गाय को मारी टक्कर गाय की मौत ग्राम प्रधान नन्दवारी ने अज्ञात वाहन को पैसे लेकर छोड़ा वजीरगंज थाना क्षेत्र के मुरादाबाद रोड फरुंखाबाद एम एफ हाईवे पर ग्राम नन्दवारी पुलिया पर अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी जिससे गाय की मौके पर मौत हो गई गौ सेवाक टीम जब मौके पर पहुचीं तो गाय का शव रोड पर पड़ा मिला गौ सेवाक टीम ने प्रधान से बोला तो प्रधान ने कहा की गाय की गलती है और प्रधान ने पहले ही अज्ञात वाहन से पैसा लेकर उसे छोड़ दिया गौ सेवाक टीम को सूचना मिली तो गौ सेवाक टीम ने पहले थाना

वजीरगंज पुलिस को सूचित किया मौके पर पहुँची पुलिस ने गाय के शव को जेसीबी को बोलकर गाय का शव को दफन कराया इसके पश्चात गौ सेवाक टीम ने प्रधान को अज्ञात वाहन से पैसा लेकर अज्ञात वाहन को छोड़ने के आरोप मे गौ सेवाक टीम ने कानूनी कार्रवाई करने की थाना वजीरगंज पुलिस से माँग की

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र वजीरगंज के क्वाटर 3 आवास में स्टॉफ नर्स की बहिन ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर की खुदकुशी

वजीरगंज । कस्बा स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र वजीरगंज के क्वाटर 3 आवास में स्टॉफ नर्स की बहिन ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। बदायूँ के वजीरगंज में सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने घटना की जानकारी में जुट गई घटना स्थल मौके पर पहुंची फॉरेंसिंक टीम एसआई संजय सिंह ने दुपट्टा काटकर शव को नीचे उतारा। पुलिस को मौके से एक मोबाइल मिला है ।पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम को भेजा है ।स्टाफ नर्स रितु का थाना कुवंरगांव क्षेत्र के गांव सोई निवासी मोहित राठौर से लिव रिलेसिव सिप चल रहा था ।उन दोनों की दोस्ती ईशा को पसन्द नहीं थी ।रितु ने कुछ समय पहले मोहित राठौड़ के साथ इंगेजमेट की थी। मोहित राठौर ने बताया 6 नवंबर को हम दोनों की शादी है। मृतक ईशा के पिता विद्युत विभाग में के के पद पर तैनात हैं वह अरुणाचल प्रदेश के नगर पंचायत कटसान में तैनात है। उसके पिता को सूचना भेज दी गई है।

गोरखपुर जनपद थाना वेलीयार गांव कुशमोल निवासी ईशा (19) बर्षीय रामसूरत दास ने पंखा पर फाँसी लगाकर खुदकुशी कर ली ।मृतक ईशा की बड़ी बहिन रितु

जाटव वजीरगंज कस्बा स्थित सीएचसी पर स्टॉफ नर्स के पद पर तैनात थी। नर्स स्टाफ कैंपस में बने क्वाटर 3 आवास में रहती थी ।मृतक की बहिन का कहना है वह वदायूँ किसी कार्य से गई हुई थी ।ईशा कमरे में अकेली थी। शुक्रवार दोपहर 2: बजे लगभग संदिग्ध परिस्थितियों में स्टाफ नर्स रितु की बहिन का शव कमरे से लटकता मिला।

सीनू शर्मा स्टाफ नर्स ने वताया वह वराबर में क्वाटर में रह रहती है ड्यूटी से लौटी तो उसने दरबाजा खटखटाया कमरे के अन्दर से आबाज नहीं आने पर मोबाइल से कॉल किया रिंग जा रही थी फोन नही उठा तो स्टॉफ नर्स ने खिड़की से देखा तो ईशा पंखा पर लटकी थी.स्टाफ नर्स रोते हुए कैंपस में चिल्लाने लगी आवास में रह रहे स्टाफ मौके पर पहुँचे तो उसने घवराते हुए घटना की जानकारी दी। साथियों ने अस्पताल प्रशासन और पुलिस को सूचना दी. सूचना मिलते ही थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई ।फॉरेसिंक टीम पुलिस ने दुपट्टा काटकर शव को नीचे उतारा. मृतका के कमरे से कोई भी सुसाइड नोट नही मिला है पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है ।पुलिस मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

वजीरगंज थाना प्रभारी जितेन्द्र सिंह ने बताया कि एक युवती की आत्महत्या की सूचना मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच-पड़ताल की शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही हो पायेगी।

गांधी-शास्त्री जयंती पर बाला देवी रोशन लाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में कार्यक्रम आयोजित

(जीएनएस)।

बीसलपुर (पीलीभीत)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के द्वितीय प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती बाला देवी रोशन लाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. एस.पी. मौर्य, उप प्राचार्य डॉ. पातंजलि गंगवार एवं लॉ कॉलेज प्राचार्य श्री रवि प्रकाश गंगवार ने मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर किया।

इस अवसर पर प्रवक्ता श्री राहुल मिश्रा, श्री राजीव कुमार, श्री रामपाल, श्री अमित कुमार, श्री अनूप कुमार, श्री कृष्ण पाल, श्री नेतराम, श्रीमती प्रवेश, श्रीमती मिथलेश सहित छात्र-छात्राओं ने दोनों महापुरुषों के जीवन दर्शन, उनके आदर्शों और राष्ट्रहित में दिए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला।

समापन अवसर पर प्राचार्य डॉ. एस.पी. मौर्य ने कहा कि हमें महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर अपने अंदर नैतिक मूल्यों का विकास करना चाहिए। ज्ञान अर्जित कर अपने लक्ष्य की प्राप्ति ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

सखिया मंदिर पर फिर विवादः महंत सत्यगिरी ने संचालन पर उठाए गंभीर सवाल, कब्जा लेने पहुंचे

(जीएनएस)।

पीलीभीत (बीसलपुर)।

बीसलपुर के चर्चित देव स्थल सखिया मंदिर (उर्फ डॉक्टर ब्रह्मदेव मंदिर) में गुरुवार को एक बार फिर विवाद खड़ा हो गया। संत समिति श्री पंच दशनाम जूना अखाड़ा के अध्यक्ष महंत सत्यगिरी अपने समर्थकों के साथ मंदिर पहुंचे और संचालन व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाए।

महंत सत्यगिरी ने आरोप लगाया कि यह देवस्थल प्रतिदिन हजारों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। यहां पीपल के पेड़ की परिक्रमा करने से बीमारी ठीक होने की मान्यता है। बावजूद इसके मंदिर का संचालन एक पिताझपुत्र की समिति द्वारा मनमाने ढंग से किया जा रहा है और चढ़ावे-चंदे का कोई हिसाब नहीं रखा जाता।

महंत का कहना है कि समिति चंदे की राशि को हड़पने की कोशिश कर रही है, जबकि इन पैसों का सही इस्तेमाल मंदिर निर्माण और भक्तों की सुविधाओं पर होना चाहिए। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यहां आने वाले साधु-संतों को भगा दिया जाता है।

> महंत सत्यगिरी, जूना अखाड़ाः

'हम चाहते हैं कि इस देवस्थल का संचालन पारदर्शिता के साथ संत समाज की देखरेख में हो। मंदिर की स्थापना और सेवा-समर्पण ही हमारा उद्देश्य है।'

पुलिस बल तैनात, प्रशासन हरकत में

महंत और उनके समर्थकों के डेरा डालने से माहौल तनावपूर्ण हो गया। सूचना मिलते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और मौके पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया।

थाना अध्यक्ष दिगंबर सिंह ने बताया कि स्थिति पर नजर रखी जा रही है और दोनों पक्षों से वार्ता कर समाधान निकालने की कोशिश हो रही है, ताकि धार्मिक स्थल पर अव्यवस्था न फैले।

पहले भी हो चुका विवाद

यह पहला मौका नहीं है जब सखिया मंदिर विवादों में आया हो। इससे पहले भी चंदे और संचालन को लेकर विवाद सामने आ चुका है। महंत सत्यगिरी के सक्रिय होने से यह मामला एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है।

पीलीभीत में शुक्रवार रात एक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

(जीएनएस)।

पीलीभीत। दियोरिया थाना क्षेत्र के बीसंगापुर गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। आरोपी वाहन चालक फरार हो गया।

मृतकों की पहचान सचिन और रिंकू के रूप में हुई है। दोनों दोस्त दियोरिया थाना क्षेत्र के बिहारीपुर गांव के निवासी थे। वे एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर बीसलपुर का रामलीला मेला देखने जा रहे थे। देर शाम बीसंगापुर गांव के पास एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने

उनकी बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर जमा हो गए ।दियोरिया कोतवाली पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। थाना अध्यक्ष दिगंबर सिंह ने बताया कि सचिन और रिंकू नामक दो युवकों की मौत हुई है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। आरोपी वाहन की तलाश जारी है।

परिजनों ने बताया कि सचिन और रिंकू पुराने मित्र थे और अक्सर साथ घूमने जाते थे। शुक्रवार को भी वे बीसलपुर का मेला देखने निकले थे। इस हादसे से उनके परिवारों में शोक का माहौल है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बीसलपुर के ऐतिहासिक रामलीला मेले में मिकी माउस झूले में लगी आग टला हादसा

पीलीभीत के बीसलपुर कस्बे में चल रहे रामलीला मेले में शुक्रवार को एक बड़ा हादसा टल गया। मेले में लगे मिक्की माउस शो-पीस में अचानक आग लग गई, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन घटना ने सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मिक्की माउस आकृति को देखने के लिए बड़ी संख्या में बच्चे जमा थे, तभी शॉर्ट सर्किट से उसमें आग लग गई। आग की लपटें उठते ही बच्चे डरकर दूर भागे और भीड़ में भगदड़ मच गई। झूला संचालक ने आग बुझाने का प्रयास किया।

मौके पर न तो अग्निशमन यंत्र उपलब्ध थे और न ही फायर ब्रिगेड की कोई गाड़ी मौजूद थी, जिससे आग पर तुरंत काबू पाया जा सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल लाखों की भीड़ वाले इस मेले में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते हैं ।मौके पर न तो अग्निशमन यंत्र उपलब्ध थे और न ही फायर ब्रिगेड की कोई गाड़ी मौजूद थी, जिससे आग पर तुरंत काबू पाया जा सके। स्थानीय लोगों ने बताया कि हर साल लाखों की भीड़ वाले इस मेले में सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं किए जाते हैं।

नागरिकों ने इस बात पर चिंता जताई कि रावण दहन के दिन मेले में सबसे अधिक भीड़ होती है, फिर भी फायर ब्रिगेड की टीम तैनात नहीं रहती। झूला मालिक ने भी बताया कि प्रशासन से सुरक्षा संबंधी इंतजामों की कई बार मांग की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

इस घटना से मेले में मौजूद लोग दहशत में आ गए और कई परिवार अपने बच्चों को लेकर तुरंत मेले से चले गए। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि रावण दहन सहित मेले के शेष आयोजनों के दौरान फायर ब्रिगेड की टीम को मौके पर तैनात किया जाए और सुरक्षा इंतजामों को सख्ती से लागू किया जाए।